भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2976
बुधवार, 3 अगस्त, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

शेल गैस निष्कर्षण

2976 डॉ. थोल तिरुमावलवन:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(च) क्या सरकार ने भारतीय भौगोलिक क्षेत्र में भूकंप के झटकों, भूकंपों, भूकंप प्रवणता आदि में किसी भी प्रकार की वृद्धि के संबंध में शेल गैस-निष्कर्षण के प्रभाव का अध्ययन किया है;

(छ) यदि हां, तो उक्त अन्वेषण/निष्कर्षण से पहले और बाद में आए भूकंप के झटकों, भूकंपों, भूकंप प्रवणता आदि के बारे में आंकड़े क्या हैं;

(ज) क्या सरकार भारतीय भौगोलिक क्षेत्र में उच्च दबाव के जरिए जमीन फोड़कर तेल या गैस-निष्कर्षण की प्रक्रिया (फ्रेंकिंग) का कोई प्रतिकूल प्रभाव न होने के विषय में आश्वस्त है; और

(झ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (घ) तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने देश में कहीं भी शेल गैस निष्कर्षण शुरू नहीं किया है। ओएनजीसी की जानकारी के अनुसार, देश की शेल गैस संभावना का आकलन करने के लिए, भारत सरकार की शेल गैस/तेल की खोज और दोहन नीति अक्टूबर, 2013 में शुरु की गई थी। इस नीति की शुरुआत के बाद से, 01.07.2022 तक, ओएनजीसी द्वारा शेल अन्वेषण के उद्देश्य से खंभात, कावेरी और केजी बेसिन में कुल 30 कुओं (10 अनन्य शेल कुओं और 20 दोहरे उद्देश्य वाले कुओं) का वेधन किया गया है। आज की तारीख तक, ओएनजीसी के कुओं से शेल तेल या गैस का कोई वाणिज्यिक उत्पादन नहीं हुआ है।

******